सुवटा रे सुवटा खाटू की नगरी जा

सुवटा रे सुवटा खाटू की नगरी जा
बाबो जी ने जाके म्हारा संदेशो दे आ
याद थारी आवे है नींद उड़ जावे है
अब तो ये रेन मेरी चैन नही पावे है

बाबा जी ने जाकर बा भी केह दीजियो
टाबर उडीके थाणे दर्शन दे दीजियो
याद थारी आवे है नींद उड़ जावे है
अब तो ये रेन मेरी चैन नही पावे है

थारे बिन भगता ने दूजो नही आसरो
हारे को सहारो बन जा तू ही मेरो सांवरो
याद थारी आवे है नींद उड़ जावे है
अब तो ये रेन मेरी चैन नही पावे है

दर पे बुला लो बाबा याही अरदास है
दाहिमा भी नित नित आवे मिलन री आस है
याद थारी आवे है नींद उड़ जावे है
अब तो ये रेन मेरी चैन नही पावे है

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20770/title/suvta-re-suvta-khatu-ki-nagari-ja

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |